

Revised
Edition

ज्ञान
का आधान

As per
NCF
2023

योग्यता
का निर्माण

मूल्यों
का विकास

सकारात्मक मनोवृत्ति
का विकास

माधुपरी

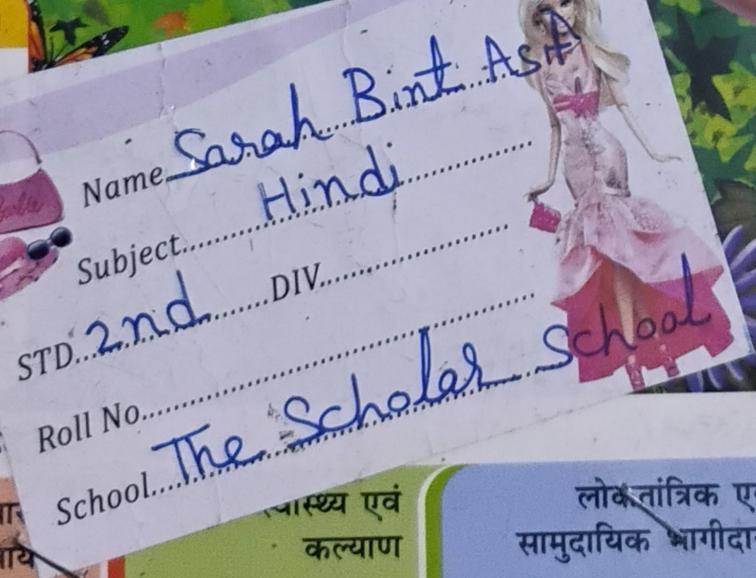
हिंदी पाठमाला 2



360° Learning

mystudy

Download
Scan the QR



शिक्षा के उ

तर्कसंगत विचार
स्वाय

सास्थ्य एवं
कल्याण

लोकतांत्रिक एवं
सामुदायिक भागीदारी

आर्थिक
भागीदारी

सांस्कृ
भाग

1

हम बच्चे हैं सबसे अच्छे

पाठ-प्रवेश

- चित्र देखकर बातचीत कोजिए— (Communication)

आओ मिलकर पेड़ लगाएँ,
चारों ओर हरियाली फैलाएँ।

- हम पेड़ क्यों लगाते हैं? • पेड़ से हमें क्या मिलता है?

C-9.3, 9.4



15 LIFE SKILLS



हम बच्चे हैं सबसे अच्छे,
हँसते और हँसाते हैं।

पथ पर बिखरे शूलों को,
चुन-चुनकर दूर हटाते हैं।

आएँ कितनी भी बाधाएँ,
हम कभी नहीं घबराते हैं।

बोध

- बच्चे कैसे हैं?



मुश्किल राहों-पर भी,
हम आगे बढ़ते जाते हैं।

खुशी बाँटते दुनिया में,
जीवन की नई राह दिखाते हैं।

हम बच्चे हैं सबसे अच्छे,
हँसते और हँसाते हैं।

—अज्ञात

बोध

- बच्चे कहाँ पर खुशियाँ
बाँटते हैं?

माइंड मैप

C-10.5

5

कठिनाइयों का सामना करते हैं।



1

बच्चे बहुत ही अच्छे हैं।

2

खुश रहते हैं और सभी को खुश
रखते हैं।

4

मेहनत और साहस से दुनिया को नई
चीजों से अवगत करते हैं।

हम बच्चे हैं सबसे अच्छे

3

मुश्किलों से नहीं घबराते हैं।

बोलिए

(C.W)

1. पढ़िए

बच्चे, अच्छे, शूल, बाधाएँ, मुश्किल, खुशी, दुनिया, जीवन

2. बताइए

क. बच्चे क्या चुनकर हटाते हैं?

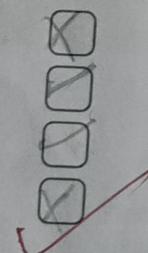
ख. बच्चे किससे नहीं घबराते हैं?

ग. बच्चे दुनिया में क्या बाँटते हैं?

3. सोचिए/मूल्यपरक प्रश्न

आपके किन-किन कार्यों से सब खुश रहेंगे? चुनकर बताइए—

- सुबह देर से जागने पर
- सभी काम समय से करने पर
- अच्छे से पढ़ाई करने पर
- मोबाइल-टी.वी. देखने पर



लिखिए

1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

क. कौन सबसे अच्छे हैं?

 बच्चे पथ जीवन दुनिया

ख. बच्चे मुश्किल राह देखकर क्या करेंगे?

 पीछे हट जाएँगे। आगे बढ़ेंगे। रुक जाएँगे। डर जाएँगे।

2. सही शब्द चुनकर पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

क.पथ..... पर बिखरे शूलों को,

चुन-चुनकरहटाते हैं।

ख. खुशी बाँटतेमें,

जीवन की नईदिखाते हैं।

दूर

पथ

राह

दुनिया

3. कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—

क. बच्चे स्वयं को सबसे अच्छे क्यों कह रहे हैं?

ख. 'पथ पर बिखरे शूल' का क्या अर्थ है?

ग. बच्चे दुनिया में किस प्रकार खुशियाँ बाँटेंगे?

समझिए व्याकरण संबोध

1. कविता में कई जगह चंद्रबिंदु (ॐ) वाले शब्द आए हैं; जैसे— हँसते, हँसाते, बाधाएँ, बाँटते

इन शब्दों में चंद्रबिंदु लगाकर लिखिए—

बाँसुरी —बाँसुरी.....

मुह —मुह.....

हसी —हसी.....

काच —काच.....

C-10.3, 11.1

2. कविता में से मिलती-जुलती ध्वनि वाले शब्द लिखिए—

C-11.1

सच्चे —बच्चे.....

फूलों —फूल.....

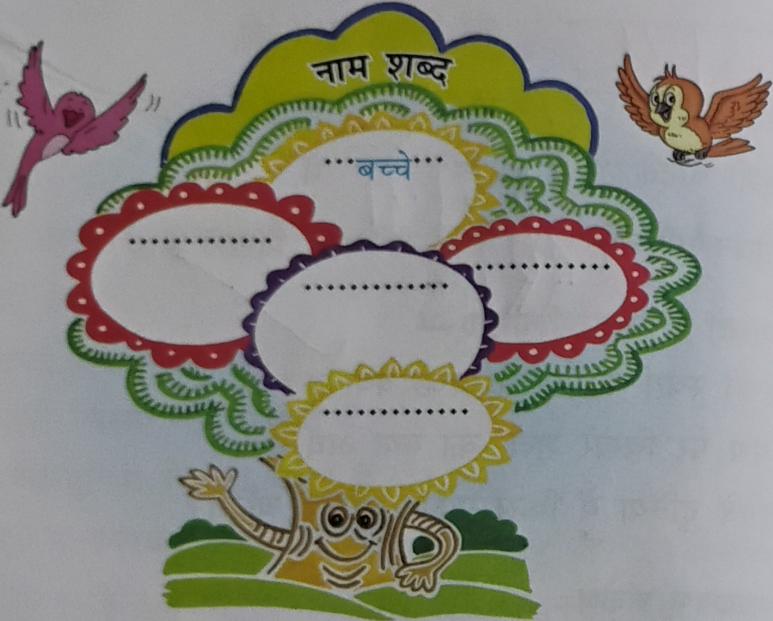
रथ —रथ.....

चाह —राह.....

कई —नई.....

मुनिया —दुनिया.....

3. कविता में से नाम शब्द छाँटकर लिखिए—



C-10.3, 11

4. पंक्तियों में आए शब्दों की संख्या लिखिए—

- क. हम बच्चे हैं सबसे अच्छे, 5
- ख. जीवन की नई राह दिखाते हैं।
- ग. मुश्किल राहों पर भी हम आगे बढ़ते जाते हैं।
- घ. पथ पर बिखरे शूलों को चुन-चुनकर दूर हटाते हैं।

यह भी जानो—

❖ उत्तर प्रदेश की रहने वाली अभिजीता गुप्ता को 'सबसे कम उम्र की लेखिका' के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह अभी तक तीन किताबें लिख चुकी हैं। (Knowledge of India, Appreciation of Literature)

5. दिए गए शब्दों में से 'इ' तथा 'ई' की मात्रा वाले शब्द चुनकर लिखिए—

C-10.3, 11.1

बिखरे, शूलों, खुशी, कभी, दुनिया, मुश्किल, जीवन, राह, हम

इ बिखरे.....

ई खुशी.....

दुनिया
कभी

मुश्किल
जीवन

कीजिए विषय संवर्धन गतिविधियाँ (Subject Enrichment Activities)

(Reading Skills; Environmental Literacy)

1. इन पंक्तियों को पढ़िए और अपने आसपास साफ-सफाई रखिए—
साफ-सफाई का रखें ध्यान,
कूड़े का हो न नामोनिशान।
स्वच्छ रहे तन-मन अपना,
सीखें अच्छी बातें हो जितना।
2. रवींद्रनाथ टैगोर की इस रचना को Audio सुनिए और मिल-जुलकर गाइए—



C-9.1, 10.1

(Listening Skills; Collaboration; Appreciation of Literature)

जोदि तोर डाक शुने केउ ना आशे

तौबे ऐकला चॉलो रे।

जोदि तोर डाक शुने केउ ना आशे

तौबे ऐकला चॉलो रे।

ऐकला चॉलो, ऐकला चॉलो,

ऐकला चॉलो, ऐकला चॉलो रे।

जोदि तोर डाक शुने केउ ना आशे

तौबे ऐकला चॉलो रे।

जोदि तोर डाक शुने केउ ना आशे

तौबे ऐकला चॉलो रे।

शिक्षण-संकेत— बच्चों से इस गीत का सामूहिक गायन करवाएँ और गीत के मूल भाव से अवगत करवाएँ।

3. अच्छे बच्चे की दिनचर्या नीचे दी गई है। आप अपनी दिनचर्या चारों पर लिखिए—

C-9.6

(Cross-Curricular Learning)



सुबह 6:00



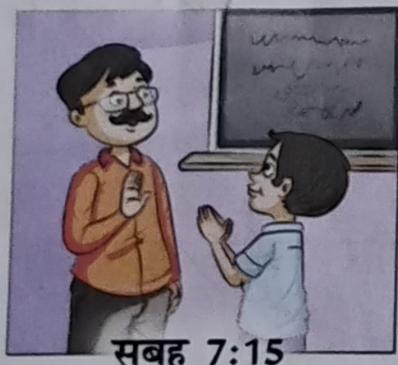
सुबह 6:15



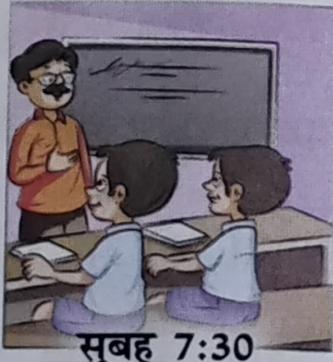
सुबह 6:30



सुबह 6:45



सुबह 7:15



सुबह 7:30



शाम 4:00



शाम 7:00



रात 9:00

क्या होता यदि...

(Critical Thinking)

◆ बच्चे पढ़ाई नहीं करते।

सीखिए

शब्दार्थ

पथ	— रास्ता
शूल	— काँटा
बाधाएँ	— कठिनाइयाँ

मुश्किल	— कठिन
दुनिया	— संसार
राह	— रास्ता

पाठ-प्रवेश 23.4.25

C.W.

4 READER EDUCATION

C.W.
C-9.1

(Art Integration)

कौन हूँ मैं, क्या नाम है मेरा, मैं कहाँ से आई हूँ,
मैं परियों की शहजादी, मैं आसमाँ से आई हूँ।
बच्चो, इन पंक्तियों को गुनगुनाइए। आइए, अब हम इस पाठ में परी के बारे में पढ़ते हैं।

बोध

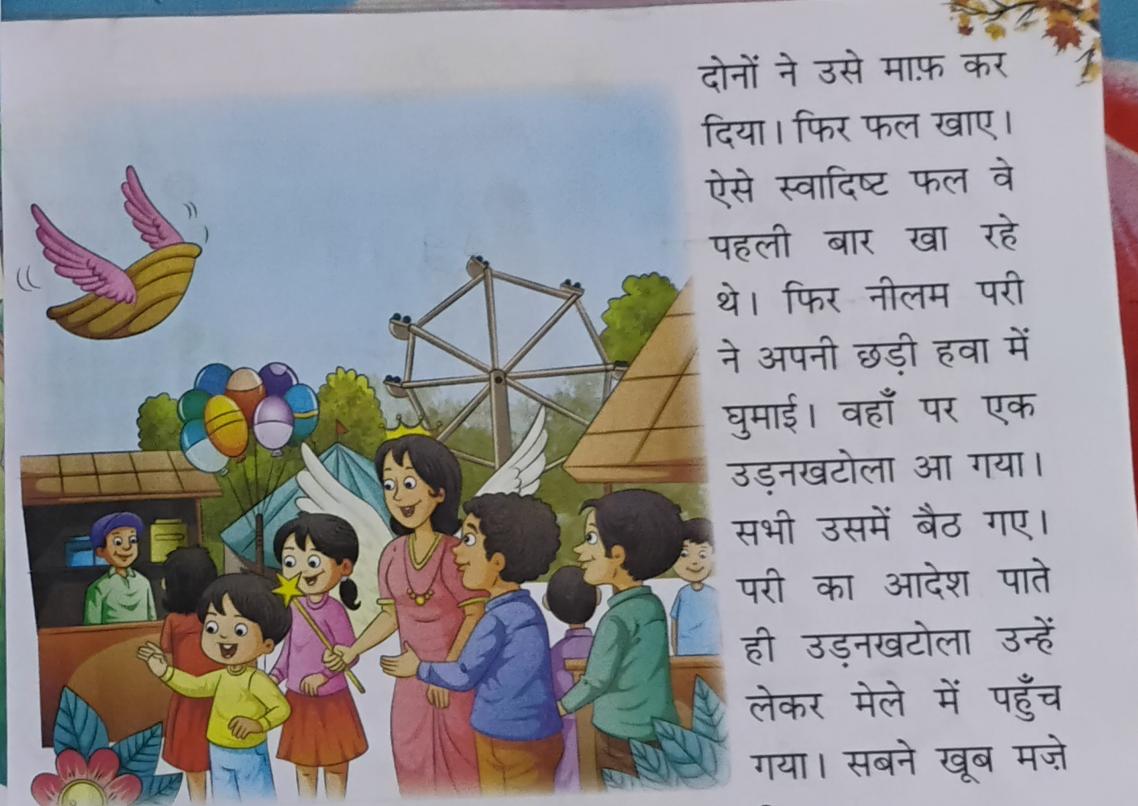
- मिंटू कहाँ पर रो रहा था?

एक परी थी। उसका नाम नीलम था। वह बहुत सुंदर थी। उसके पास एक जादुई छड़ी थी। उस छड़ी से नीलम परी मनचाहा काम कर सकती थी। नीलम परी बहुत दयालु थी। वह सबकी मदद करती थी।

एक दिन नीलम परी उड़ते हुए अपने बगीचे के तालाब के किनारे पहुँची। वहाँ एक अकेला बच्चा रो रहा था। नीलम परी उसके पास गई। उसने बच्चे से उसका नाम व रोने का कारण पूछा। बच्चे ने कहा, “मेरा नाम मिंटू है,



मैं अपने भाई-बहन के साथ मेला देखने जा रहा था। रास्ते में मुझे यह सुंदर बगीचा दिखा। मैं अपने भाई-बहन को बिना बताए इस बाग में आ गया और रास्ता भटक गया। मुझे अपने भाई-बहन और मम्मी-पापा के पास जाना है, पर मुझे अपने घर का रास्ता नहीं पता।” यह कहकर वह और ज़ोर से रोने लगा।



दोनों ने उसे माफ़ कर दिया। फिर फल खाए। ऐसे स्वादिष्ट फल वे पहली बार खा रहे थे। फिर नीलम परी ने अपनी छड़ी हवा में घुमाई। वहाँ पर एक उड़नखटोला आ गया। सभी उसमें बैठ गए। परी का आदेश पाते ही उड़नखटोला उन्हें लेकर मेले में पहुँच गया। सबने खूब मज़े किए।

नीलम परी ने मिंटू के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा— “मैं एक परी हूँ और यह बगीचा भी मेरा ही है। पहले तुम कुछ खा लो फिर तुम्हारे भाई-बहन को ढूँढ़ेंगे और तुम्हारे घर भी चलेंगे। मिंटू ने कई कुछ फल अपने भाई-बहन के लिए भी ले लिए, फिर पकड़कर आसमान में उड़ने लगा। कुछ देर उड़ने पर मिंटू के भाई-बहन उदास बैठे हुए दिखाई दिए। वे मिंटू अपने भाई-बहन से मिलकर बहुत खुश हुआ। वे फल खाने के लिए दिए और बिना बताए जाने के टि-

बोध

शाम होने लगी थी। अतः नीलम परी ने कहा, “बच्चो! अब घर चलना चाहिए।” बच्चे उड़नखटोले में बैठ गए। उड़नखटोला मिट्टू के घर की ओर चल दिया। कुछ ही देर में वे घर पहुँच गए। परी ने बच्चों को घर के आँगन में उतार दिया। घर पहुँचने पर सभी बच्चे बहुत खुश थे। उन्होंने नीलम परी को धन्यवाद दिया। परी ने सभी बच्चों को उपहार में एक-एक चॉकलेट दी। उन्हें समझाया कि बिना बताए अकेले कहीं नहीं जाना, मम्मी-पापा के साथ ही जाना। फिर वहाँ से उड़ गई।

बोध
 • परी ने बच्चों को उपहार में
 क्या दिया?

1 नीलम परी बहुत सुंदर और दयालु थी।



2

एक दिन तालाब के किनारे मिंटू नाम का छोटा बच्चा परी को रोते हुए मिला। वह अपने भाई-बहन से बिछड़ गया था।

नीलम परी

3

परी ने मिंटू को भरपेट फल खिलाए और उसे उसके भाई-बहन के पास ले गई।

5 बच्चों ने परी का धन्यवाद किया

4

परी ने उन सबको मेला दिखाया। शाम को उड़नखटोले में बैठकर घर पहुँचाया और समझाया कि बताए अकेले कहीं नहीं जाना।

लिखिए

1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

क. परी का क्या नाम था?

मीनल नीलम

कोमल

मीनाक्षी

ख. परी को मिंटू कहाँ मिला?

मेले में

तालाब के किनारे

नदी के किनारे

पेड़ के ऊपर

2. कहानी के क्रम के अनुसार 1, 2, 3, 4, 5 लिखिए—

क. परी ने मिंटू को फल दिए।

ख. बच्चे घर पहुँच गए।

ग. परी ने बच्चों को उड़नखटोले में बैठाया।

घ. मिंटू रो रहा था।

ङ. परी ने मिंटू के भाई-बहन को ढूँढ़ लिया।

3. कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—

क. मिंटू कहाँ जा रहा था?

.....

ख. सुंदर बगीचा किसका था?

.....

बोलिए

1. पढ़िए

नीलम, जादुई, तालाब, ज़ोर, स्वादिष्ट, उड़नखटोला, आँगन, धन्यवाद, चॉकलेट

C-10.3, 11

2. बताइए

क. नीलम परी अपनी छड़ी से क्या-क्या कर सकती थी?

ख. मिंटू क्यों रो रहा था?

ग. बच्चे घर कैसे पहुँचे?

घ. आप किसी को धन्यवाद और सौरी कब कहते हैं?

ग. मिंटू को भाई-बहन कहाँ मिले ?

4. कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—

क. तालाब के किनारे परी ने क्या देखा ?

ख. मिंटू कैसे खो गया था ?

ग. परी ने बच्चों को क्या समझाया ?

5. पाठांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

बच्चे ने कहा, “मेरा नाम मिंटू है, मैं अपने भाई-बहन के साथ मेला देखा रहा था। रास्ते में मुझे यह सुंदर बगीचा दिखा। मैं अपने भाई-बहन को बिना बताए इस बाग में आ गया और रास्ता भटक गया। मुझे अभी भाई-बहन और मम्मी-पापा के पास जाना है, पर मुझे अपने घर का नहीं पता !”

क. बच्चे का क्या नाम था ?

ख. बच्चा मेला देखने किसके साथ जा रहा था ?

ग. मिंटू घर क्यों नहीं जा पा रहा था ?

घ. पाठांश से दो-दो लड़का-लड़की वाले शब्द चुनकर लिखिए—

समझाए व्याकरण संबोध

1. दिए गए शब्दों को सही मात्रा के स्थान पर लिखिए—

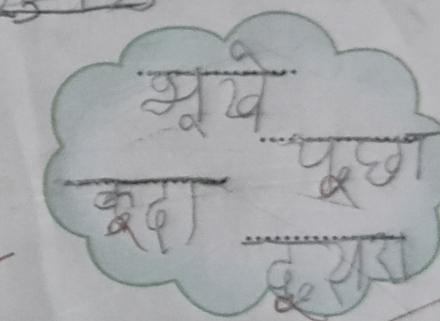
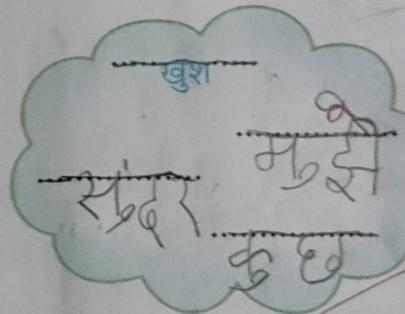
खुश, भूखे, मुझे, सुंदर, पूछा, कूदा, कुछ, दूसरा

उ (०)

ए (१)

ऊ (२)

25-4-25



2. इनसे बने शब्द पाठ से चुनकर लिखिए—

ष - स्वर्विष्ट
स्त - रास्ता

च - चन्दपा
न्य - धन्यवाहु

3. कहानी में कई जगह बिंदु वाले (•) शब्द आए हैं; जैसे— मिंटू सुंदर

इन शब्दों में बिंदु (•) लगाकर लिखिए—

बदर - बंदर
पसद - पसंद

चदा - चंदा
रग - रंग

26/4

C-10.3

C-10.3 (Phonics)

C-10.3 (Phonics)

4. सही शब्द चुनकर लिखिए—

28.4.25

उसका, उसे, उसके, वह

एक परी थी।

उसका नाम नीलम था।

वह बहुत सुंदर थी।

उसके पास जादुई छड़ी थी।
उसे बच्चे पसंद थे।

खाली स्थान में लिखे शब्द नाम की जगह आए हैं।

5. 'में' या 'मैं' लिखकर वाक्य पूरे कीजिए—

क. मैं मेला देखने जा रहा था।

ख. रास्ते मैं सुंदर बगीचा मिला।

ग. मैं एक परी हूँ।

घ. कुछ ही देर मैं वे घर पहुँच गए।

26/4

कीजिए विषय संवर्धन गतिविधियाँ (Subject Enrichment Activities)

1. Audio द्वारा सुनाई गई कहानी सुनिए या दादी-नानी से परियों की कहानी सुनिए और कक्षा में सुनाइए।

C-9.5

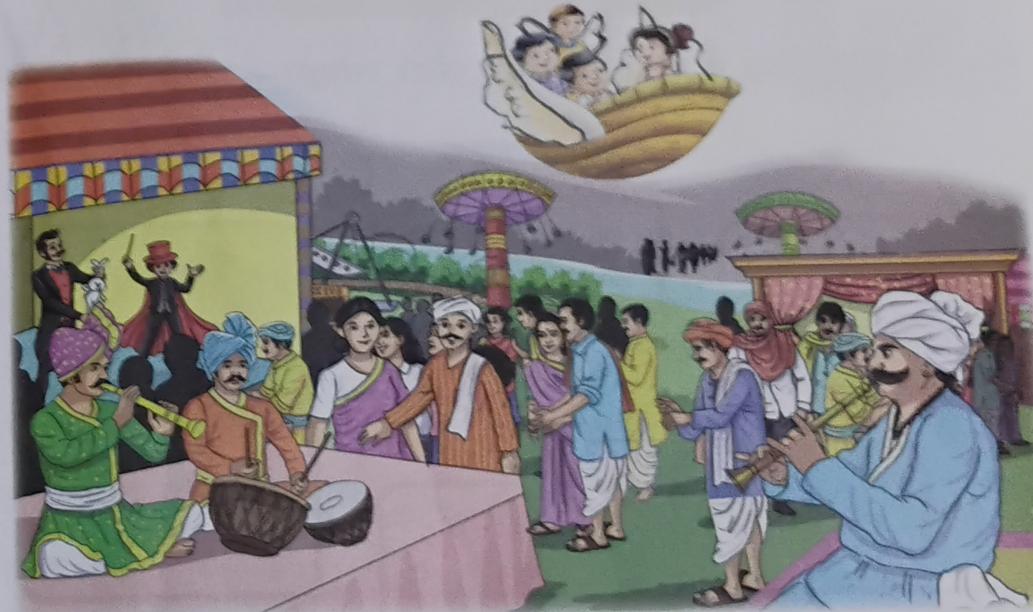
(Listening and Speaking Skills; Appreciation of Literature)

2. घर के बड़ों के साथ मेला घूमने जाइए और अपने अनुभव साथियों को बताइए तथा लिखिए।

C-9.5 (Creative Writing; Experiential Learning)

3. चित्र के बारे में कुछ वाक्य अपनी नोटबुक में लिखिए।

C-9.6
(Creative Writing)



क्या होता यदि ...

(Critical Thinking)

◆ मिंटू को परी न मिली होती।

सीखिए

शब्दार्थ

मनचाहा — मन को अच्छा लगने वाला

उड़नखटोला — उड़ने वाला खटोला, विमान

भटकना — रास्ता भूलना

आदेश — काम करने को कहना, आज्ञा

स्वादिष्ट — स्वाद से भरा

मैं और मेरा परिवार

दिए गए फ़ोटो-फ्रेम में पूरे परिवार की फ़ोटो लगाइए—

C-9.3.1

(Art Integration)
Cross-Curricular Learning

दादा जी / नाना जी

भाई / बहन

दादी जी / नानी जी

मैं

पापा

मम्मी

भाई / बहन

शिक्षण-संकेत— • शिक्षिका बच्चों को उनके परिवार में जो भी सदस्य हैं उनकी फोटो लगाने के लिए
• बच्चे आपस में अपने परिवार, रुचियों, दिनचर्या आदि के बारे में बातचीत करें।

(Communication)



Revised
Edition

ज्ञान
का आधार

As per
NCF
2023

योग्यता
का निर्माण

मूल्यों
का विकास

सकारात्मक मनोवृत्ति
का विकास

माधुपरी

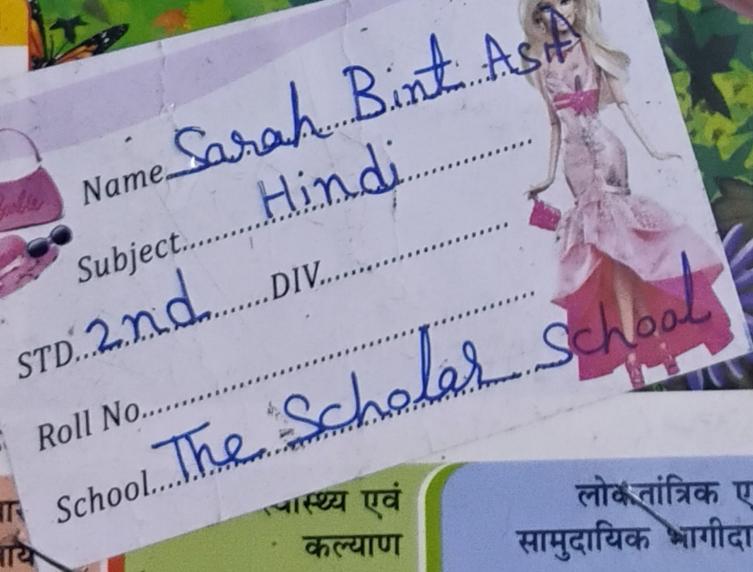
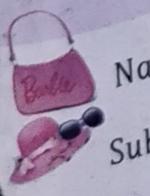
हिंदी पाठमाला 2



360° Learning

mystudy

Download
Scan the QR



शिक्षा के उ

तर्कसंगत विचार
स्वाय

Roll No.

School

सास्थ्य एवं
कल्याण

लोकतांत्रिक एवं
सामुदायिक भागीदारी

आर्थिक
भागीदारी

सांस्कृ
भाग